पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राजभवन सूचना परिसर)
———

राज्यपाल की अध्यक्षता में डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ का प्रथम दीक्षान्त समारोह सम्पन्न

———

डॉक्टरी पेशा का उद्देश्य मानव सेवा होना चाहिए

———

चिकित्सक का मरीज के साथ संवाद और सामंजस्य आवश्यक है

———

डॉक्टर और नर्स में योग्यता के साथ–साथ मरीजों के प्रति करुणा का भाव भी हो

———

हेल्थ केयर के ऐसे सिस्टम की जरूरत है, जो गरीब से गरीब की भी चिंता करता हो

———

स्वस्थ समाज के निर्माण हेतु स्वच्छता, खेलों इंडिया खेलो, फिटनेस और योग आदि के अभियान चलाये जाने चाहिए

———

समस्त ज्ञान–विज्ञान एवं विधियों का लक्ष्य मानव जीवन को सुगमता प्रदान करने वाला हो

———

चिकित्सा सेवा सबसे मूल्यवान सेवा

———

देश को आगे बढ़ाने के लिए स्वस्थ समाज का निर्माण करें
–राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

———

लखनऊ : 29 दिसम्बर, 2023

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाध्यक्ष श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आज डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ का प्रथम दीक्षान्त समारोह सम्पन्न हुआ। राज्यपाल जी ने कलश में जलधारा अर्पण करके जल संरक्षण के संदेश के साथ दीक्षांत समारोह का शुभारम्भ किया। समारोह में कुल 28 पदक एवं 60 उपाधियों का वितरण

किया गया, समस्त उपाधियों को राज्यपाल जी द्वारा बटन दबाकर डिजिलॉकर में अपलोड भी किया गया।

राज्यपाल जी ने दीक्षांत समारोह में उपाधि व पदक प्राप्त विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डॉक्टरी पेशे का उद्देश्य केवल जीवकोपार्जन एवं व्यक्तिगत उन्नति के लिए नहीं है बल्कि मानव सेवा भी है। उन्होंने उपस्थित चिकित्सकों से कहा कि चिकित्सक का मरीज के साथ संवाद और सामंजस्य आवश्यक है। यह मरीज को जिंदगी दे सकता है। उन्होंने कहा कि मरीजों के साथ अपनेपन की भावना से कार्य करें, चिकित्सकों के कार्यों से समाज को फायदा होगा और एक स्वस्थ तथा विकसित भारत के सपने को हासिल किया जा सकेगा।

राज्यपाल जी ने कहा कि डॉक्टर और नर्स में योग्यता के साथ–साथ मरीजों के प्रति करुणा का भाव होना भी बहुत जरूरी है। संस्थान द्वारा विविध नए पाठ्यक्रम शुरू करने की सराहना करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि इससे देश–प्रदेश तथा अन्तर्राज्यीय युवाओं के लिए चिकित्सा शिक्षा के विभिन्न आयामों में शोध तथा प्रदेश में उच्च कोटि के अध्ययन की सुविधा मिलेगी। उन्होंने वर्तमान समय को रोबोट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का समय बताते हुए कहा कि तकनीकी समाधानों के साथ–साथ चिकित्सा के विभिन्न तरीकों को भी बढ़ाए जाने की जरूरत है।

राज्यपाल जी ने कहा कि चिकित्सा संस्थानों को अपने विद्यार्थियों को गांव भेजने तथा उन्हें बुनियादी चिकित्सा कौशल व प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण देकर स्वास्थ्य कर्मी तैयार करने की जरूरत है। उन्होंने देश में हेल्थ केयर के ऐसे सिस्टम की जरूरत बताई जो गरीब से गरीब की भी चिंता करता हो। राज्यपाल जी ने स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाओं का दायरा व्यापक बताते हुए कहा कि स्वस्थ समाज निर्माण हेतु स्वच्छ और शुद्ध जल, खेलो इंडिया खेलो, फिटनेस और योग आदि के अभियान चलाये जाने चाहिए, जिससे जुड़कर लोग कम बीमार पड़े। उन्होंने कहा कि समस्त ज्ञान–विज्ञान एवं विधियों का लक्ष्य मानव जीवन को सुगमता प्रदान करने वाला होना चाहिए। राज्यपाल जी ने चिकित्सा सेवा को सबसे मूल्यवान सेवा बताया।

राज्यपाल जी ने बच्चों को मदर फीडिंग नहीं करवाए जाने पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि इस संदर्भ में डॉक्टर द्वारा लोगों को जागरूक किया जाए। उन्होंने चिकित्सकों को संबोधित करते हुए कहा कि देश को आगे बढ़ाने के लिए स्वस्थ समाज का निर्माण करें। स्वस्थ समाज से ही समृद्ध समाज का निर्माण होगा

इस अवसर पर कस्तूरबा गांधी विद्यालय, चिनहट की 21 छात्राओं का एच0पी0वी0 टीकाकरण हुआ, जिसका समस्त व्यय राज्यपाल जी द्वारा व्यक्तिगत रूप से वहन किया गया। राज्यपाल जी द्वारा इन छात्राओं को स्वास्थ्य सामग्री, पठन–पाठन सामग्री तथा विद्यालय हेतु शिक्षिकाओं को 200 पुस्तकें भी वितरित की गई। कार्यक्रम में 05 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को आंगनवाड़ी किट प्रदान किया गया। प्रदानित किट में कुर्सियां, ट्राई साइकिल, बोर्ड, खिलौने के अलावा फर्स्ट एड किट, सुई–धागा, बटन, नेल कटर आदि शामिल थे। ज्ञातव्य है कि आंगनवाड़ी केन्द्रों को सम्पन्न एवं समृद्ध बनाये जाने हेतु प्रदेश स्तर पर राज्यपाल जी द्वारा अब तक 7909 आंगनबाड़ी किट वितरित किए जा चुके हैं।

इस अवसर पर पुस्तिकाएं प्रदान करते हुए राज्यपाल जी ने कहा की शिक्षक द्वारा पुस्तकों का सही इस्तेमाल हो, बच्चों तक पुस्तकें पहुंचे और बच्चे पढ़ें तथा आगे बढ़े। राज्यपाल जी ने प्रदेश स्तर पर राजभवन, विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, विभिन्न संस्थान तथा व्यक्तियों द्वारा आंगनबाड़ी किटों के वितरण पर चर्चा करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी के बच्चों पर हमारा ध्यान सबसे ज्यादा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि गरीब झोपड़पट्टी और भिक्षावृत्ति में संलग्न बच्चों को उंगली पकड़कर आंगनबाड़ी केन्द्रों तक पहुंचाएं तो उन्हें पढ़ने का अवसर प्राप्त होगा।

इस अवसर पर प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने उपाधि/पदक प्राप्त विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे अपने जीवन में नई ऊंचाइयां प्राप्त करें तथा अपने क्षेत्र में आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि लखनऊ में अवस्थित के0जी0एम0यू0, पी0जी0आई0 तथा आर0एम0एल0आई0एम0एस0 के पदक प्राप्त विद्यार्थियों में एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए।

समारोह के मुख्य अतिथि एवं इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एण्ड बिलीरी साइंसेज नई दिल्ली के चांसलर पद्म भूषण डॉ0 शिव कुमार सरीन ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते

हुए कहा कि जीवन में स्वयं का रास्ता बनाएं, जिसका लोग अनुकरण करें। उन्होंने कहा कि अपनी मानसिकता को सकारात्मक सोच की ओर परिवर्तित करें। उन्होंने कहा कि जब जीत की जिद हो जाए तो घाव मायने नहीं रखती। जीवन में सफलता हेतु उन्होंने समय व गति को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि अच्छे डॉक्टर की खुशबू हर जगह जाती है। उन्होंने डॉक्टर के साथ–साथ अच्छे मानव बनने की भी नसीहत दी। उन्होंने चिकित्सकों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि परिवार व गुरुजनों की फिक्र को अपने कार्यों से उनके फख्र में बदल दीजिए।

इस अवसर पर संस्थान की निदेशक प्रोफेसर सोनिया नित्यानंद द्वारा संस्थान की प्रगति आख्या प्रस्तुत की गई।

दीक्षान्त समारोह में कार्य परिशद एवं विद्या परिषद के सदस्यगण, अन्य अधिकारीगण, चिकित्सकगण एवं कर्मचारीगण तथा विद्यार्थी उपस्थित थे।

———

डॉ0 सीमा गुप्ता, सहायक निदेशक
कृष्ण कुमार, सूचना अधिकारी, राजभवन
सम्पर्क सूत्र–9454468250